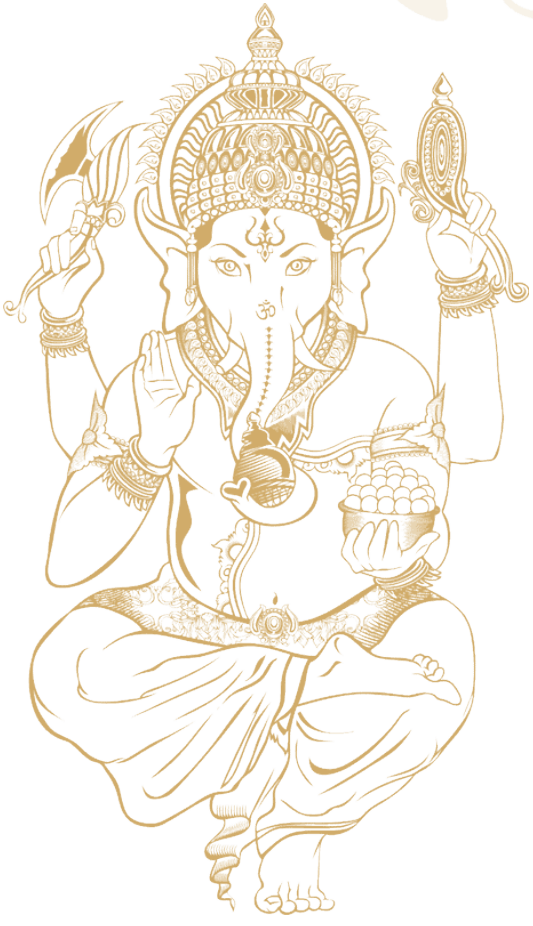

Radheshyamgaur

31 May 1951

07:02 AM

Kolaras

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121473702

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
31/05/1951	जन्म तिथि	**31/05/2026**
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 07:02:00	जन्म समय	12:30:49 घंटे
घटी 03:50:19	जन्म समय(घटी)	17:32:42 घटी
India	देश	India
Kolaras	स्थान	Kolaras
उत्तर 25:14:00	अक्षांश	25:14:00 उत्तर
पूर्व 77:36:00	रेखांश	77:36:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:36	स्थानिक संस्कार	-00:19:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:52	सूर्योदय	05:29:44
19:04:38	सूर्यास्त	19:05:00
23:10:46	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:40

मिथुन	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मीन	राशि	वृश्चिक
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
रेवती	नक्षत्र	अनुराधा
बुध	नक्षत्र स्वामी	शनि
3	चरण	4
आयुष्मान	योग	सिद्ध
बालव	करण	बव
चा-चाणक्य	जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
गज	योनि	मृग
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	सर्प
75	गत/तत्कालिक वर्ष	76

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	1	06:57:06	मिथु			लग्न			सिंह	19:09:44	2	पू०फाल्गुनी
रोहिणी	2	15:37:57	वृष			सूर्य			वृष	15:37:57	2	रोहिणी
रेवती	3	23:57:09	मीन			चंद्र			वृश्चि	14:50:31	4	अनुराधा
रोहिणी	2	13:28:01	वृष			मंगल			मेष	15:00:26	1	भरणी
भरणी	3	22:12:20	मेष			बुध			मिथु	03:41:45	4	मृगशिरा
उ०भाद्रपद	4	14:47:01	मीन			गुरु			मिथु	29:42:24	3	पुनर्वसु
पुनर्वसु	3	29:08:37	मिथु			शुक्र			मिथु	20:19:54	1	पुनर्वसु
उ०फाल्गुनी	2	02:21:50	कन्या			शनि			मीन	17:57:24	1	रेवती
पू०भाद्रपद	1	22:11:13	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	09:32:22	1	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	3	22:11:13	सिंह	व		केतु	व		सिंह	09:32:22	3	मघा
आर्द्रा	3	14:37:04	मिथु			मु			कन्या	06:57:06	4	उ०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:40

लग्न-चलित

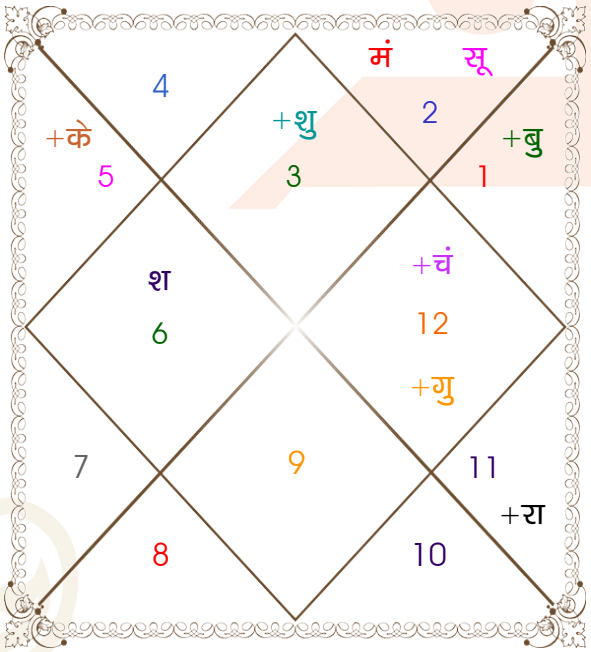

वर्ष लग्न कुंडली

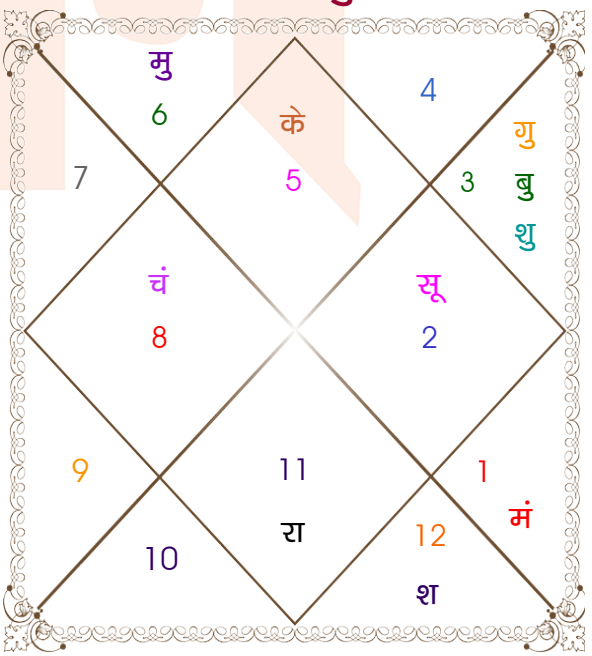

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - मंगल - राहु	
18/02/2026 10:10	
16/04/2026 22:49	
राहु	27/02/2026 01:16
गुरु	06/03/2026 17:21
शनि	15/03/2026 19:57
बुध	23/03/2026 23:33
केतु	27/03/2026 08:05
शुक्र	05/04/2026 22:12
सूर्य	08/04/2026 19:14
चंद्र	13/04/2026 14:17
मंगल	16/04/2026 22:49

राहु - मंगल - गुरु	
16/04/2026 22:49	
07/06/2026 02:03	
गुरु	23/04/2026 18:27
शनि	01/05/2026 20:46
बुध	09/05/2026 02:37
केतु	12/05/2026 02:13
शुक्र	20/05/2026 14:45
सूर्य	23/05/2026 04:07
चंद्र	27/05/2026 10:23
मंगल	30/05/2026 09:58
राहु	07/06/2026 02:03

राहु - मंगल - शनि	
07/06/2026 02:03	
06/08/2026 19:24	
शनि	16/06/2026 16:48
बुध	25/06/2026 07:16
केतु	28/06/2026 20:16
शुक्र	08/07/2026 23:10
सूर्य	12/07/2026 00:02
चंद्र	17/07/2026 01:29
मंगल	20/07/2026 14:29
राहु	29/07/2026 17:06
गुरु	06/08/2026 19:24

राहु - मंगल - बुध	
06/08/2026 19:24	
30/09/2026 03:21	
बुध	14/08/2026 12:08
केतु	17/08/2026 16:12
शुक्र	26/08/2026 17:31
सूर्य	29/08/2026 10:43
चंद्र	02/09/2026 23:23
मंगल	06/09/2026 03:26
राहु	14/09/2026 07:02
गुरु	21/09/2026 12:53
शनि	30/09/2026 03:21

राहु - मंगल - केतु	
30/09/2026 03:21	
22/10/2026 12:16	
केतु	01/10/2026 10:40
शुक्र	05/10/2026 04:09
सूर्य	06/10/2026 07:00
चंद्र	08/10/2026 03:45
मंगल	09/10/2026 11:04
राहु	12/10/2026 19:36
गुरु	15/10/2026 19:11
शनि	19/10/2026 08:12
बुध	22/10/2026 12:16

राहु - मंगल - शुक्र	
22/10/2026 12:16	
25/12/2026 10:19	
शुक्र	02/11/2026 03:56
सूर्य	05/11/2026 08:39
चंद्र	10/11/2026 16:29
मंगल	14/11/2026 09:58
राहु	24/11/2026 00:04
गुरु	02/12/2026 12:37
शनि	12/12/2026 15:30
बुध	21/12/2026 16:50
केतु	25/12/2026 10:19

राहु - मंगल - सूर्य	
25/12/2026 10:19	
13/01/2027 14:32	
सूर्य	26/12/2026 09:20
चंद्र	27/12/2026 23:41
मंगल	29/12/2026 02:31
राहु	31/12/2026 23:33
गुरु	03/01/2027 12:55
शनि	06/01/2027 13:47
बुध	09/01/2027 06:59
केतु	10/01/2027 09:50
शुक्र	13/01/2027 14:32

राहु - मंगल - चंद्र	
13/01/2027 14:32	
14/02/2027 13:33	
चंद्र	16/01/2027 06:27
मंगल	18/01/2027 03:12
राहु	22/01/2027 22:15
गुरु	27/01/2027 04:31
शनि	01/02/2027 05:58
बुध	05/02/2027 18:37
केतु	07/02/2027 15:22
शुक्र	12/02/2027 23:12
सूर्य	14/02/2027 13:33

गुरु - गुरु - गुरु	
14/02/2027 13:33	
29/05/2027 11:00	
गुरु	28/02/2027 10:01
शनि	16/03/2027 20:49
बुध	31/03/2027 14:03
केतु	06/04/2027 15:30
शुक्र	23/04/2027 23:04
सूर्य	29/04/2027 03:45
चंद्र	07/05/2027 19:32
मंगल	13/05/2027 20:59
राहु	29/05/2027 11:00

गुरु - गुरु - शनि	
29/05/2027 11:00	
29/09/2027 19:57	
शनि	17/06/2027 23:49
बुध	05/07/2027 11:17
केतु	12/07/2027 16:00
शुक्र	02/08/2027 05:30
सूर्य	08/08/2027 09:33
चंद्र	18/08/2027 16:18
मंगल	25/08/2027 21:01
राहु	13/09/2027 09:10
गुरु	29/09/2027 19:57

गुरु - गुरु - बुध	
29/09/2027 19:57	
18/01/2028 05:14	
बुध	15/10/2027 11:16
केतु	21/10/2027 21:49
शुक्र	09/11/2027 07:21
सूर्य	14/11/2027 19:49
चंद्र	24/11/2027 00:36
मंगल	30/11/2027 11:08
राहु	17/12/2027 00:32
गुरु	31/12/2027 17:46
शनि	18/01/2028 05:14

गुरु - गुरु - केतु	
18/01/2028 05:14	
03/03/2028 16:07	
केतु	20/01/2028 20:52
शुक्र	28/01/2028 10:41
सूर्य	30/01/2028 17:14
चंद्र	03/02/2028 12:08
मंगल	06/02/2028 03:46
राहु	12/02/2028 23:24
गुरु	19/02/2028 00:51
शनि	26/02/2028 05:34
बुध	03/03/2028 16:07

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।